No of Questions : 30
No of Pages : 5

नामांक

माध्यमिक परीक्षा, 2019–20

हिन्दी

मॉडल पेपर 8

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए के लिये सामान्य निर्देश :–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

खण्ड–अ

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

हमें स्वराज्य मिल गया परंतु सुराज्य अभी हमारे लिए स्वप्न ही है। इसका प्रधान कारण यह है कि देश को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से कठोर परिश्रम करना अभी तक हमने नहीं सीखा है। श्रम का महत्त्व और मूल्य हम जानते नहीं हैं। हम आज भी आरामतलब हैं। हमें हाथों से थयेष्ट काम करना अच्छा नहीं लगता। हाथों से काम करने को हम हीन मानते हैं। हम कम–से कम काम करके ज्यादा लाभ चाहते हैं। हम यह सोचते रहते हैं कि किस तरह काम से बचा जाए। यह दूषित मनोवृत्ति राष्ट्र की आत्मा में जा बैठी है और वहाँ से हटती नहीं। यदि हम इससे मुक्त नहीं होते और आज समाज में जितना हम पा रहे हैं या पा लेना चाहते हैं, उससे कई गुना अधिक अपने कठोर श्रम से नहीं देते, तो देश आगे नहीं बढ़ सकता और स्वराज्य सुराज्य में परिणित नहीं हो सकता।

1. प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

2. सुराज्य कैसे बनता है? 1

3. दूषित मनोवृत्ति क्या है? 2

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

जिस दिन मेरी चेतना जगी मैंने देखा,
मैं खड़ा हुआ हूँ इस दूनिया के मेले में,
हर एक यहाँ पर एक भुलावे में भूला,

www.rbse.online

हर एक लगा है अपनी अपनी दे–ले में,
कुछ देर रहा हक्का–बक्का, भौंचक्का सा–
आ गया कहाँ, क्या करूँ यहाँ जाऊँ किस जा?
फिर एक तरफ से आया ही तो धक्का–सा,
मैंने भी बहना शुरू किया उस रेले में,
क्या बाहर की ठेला–पेली ही कुछ कम थी,
जो भीतर भी भावों का ऊहा–पोह मचा,
जो किया, उसी को करने की मजबूरी थी,
जो कहा वहीं मन के अंदर से उबल चला।
जीवन की आपा–धापी में कब वक्त मिला
कुछ देर कहीं पर बैठ कभी यह सोच सकूँ,
जो किया, कहा, माना उसमें क्या बुरा–भला।

4. इस पद्यांश का केन्द्रीय भाव है 1

5. **अपनी–अपनी दे–ले** का आशय है– 1

6. यह काव्यांश प्रेरित करता है– 2

खण्ड–ब

7. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए। 8

1. स्वदेश प्रेम
   - (क) प्रस्तावना
   - (ख) देश प्रेम का अर्थ
   - (ग) देश प्रेम एक स्वाभाविक गुण
   - (घ) देश प्रेम क्यों ?
   - (ड़) भारतीयों के देश प्रेम के कुछ उदाहरण
   - (च) देश प्रेम का संकुचित अर्थ
   - (छ) उपसंहार
2. हमारे राष्ट्रीय पर्व
   - (क) प्रस्तावना
   - (ख) स्वतंत्रता दिवस
   - (ग) गणतंत्र दिवस
   - (घ) गाँधी जयन्ती
3. यदि मैं भारत का प्रधानमन्त्री होता
   - (क) प्रस्तावना
   - (ख) सुरक्षा एवं विकास
   - (ग) सामाजिक समरसता
   - (घ) उपसंहार
4. नारी सशक्तीकरण

(क) नारी सशक्तीकरण से आशय
(ख) वर्तमान समाज में नारी की स्थिति
(ग) नारी सशक्तीकरण हेतु किए जा रहे प्रयास
(घ) देश की प्रमुख सशक्त नारियों का परिचय
(ड़) उपसंहार

8. स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जयपुर का छात्र राहुल मानते हुए अपने प्रधानाचार्य का ध्यान विद्यालय में बढ़ते जल–प्रदूषण की ओर आकृष्ट कर उसे दूर करने की सलाह देते हुए प्रार्थना–पत्र लिखिए। 4

अथवा

8. कार्यालय, प्रधानाचार्य श्री महावीर दिगम्बर उच्च माध्यमिक विद्यालय, सी–स्कीम, जयपुर की ओर से विद्यालय की वार्षिक पत्रिका **प्रतिभा** के मुद्रण हेतु निविदा आमंत्रण के लिए एक प्रारूप तैयार कीजिए।

खण्ड–स

9. **अधिराज गृह कार्य करता हैं।** वाक्य में कौनसी क्रिया है? उसकी परिभाषा लिखिए। 2

10. निम्नलिखित कर्तृवाच्यों को भाववाच्यों में बदलिए– 3
1. हम इतना नहीं चल सकते।
2. सोहन हॉकी से खेल रहा है।
3. अब, चलें।

11. 1. **वचनामृत** तथा **देवासुर** शब्द किस–किस समास के उदाहरण हैं?
2. द्विगु समास की परिभाषा तथा उसका एक उदाहरण दीजिए। 2

12. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 2 = 2$
1. बाहर क्या खड़ा है?
2. यह मेरे को मालूम नहीं।

13. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए। $1 \times 2 = 2$
1. ठिकाने तक पहुँचना
2. कोई जोड़ न होना

14. **ऊँची दुकान फीका पकवान** – इस लोकोक्ति का अर्थ वाक्य में प्रयोग करके स्पष्ट कीजिए। 1

खण्ड–द

15. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 6

सिंहासन हिल उठे, राजवंशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में भी आयी फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आजादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी,
चमक उठी सन् सत्तावन में
वह तलवार पुरानी थी।

www.rbse.online

बुन्देले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसी वाली रानी थी।

अथवा

15. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
जाओ रानी याद रखेंगे हम कृतज्ञ भारतवासी,
यह तेरा बलिदान जगायेगा स्वतन्त्रता अविनाशी,
होवे चुप इतिहास, लगे सच्चाई को चाहे फाँसी,
हो मदमाती विजय, मिटा दे गोलों से चाहे झाँसी,
तेरा स्मारक तू ही होगी,
तू खुद अमिट निशानी थी।
बुन्देले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसी वाली रानी थी।

16. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 6
ईर्ष्या की बेटी का नाम निन्दा है, जो व्यक्ति ईर्ष्यालु होता है वही बुरे किस्म का निन्दक भी होता है। दूसरों की निन्दा वह इसलिए करता है कि इस प्रकार दूसरे लोग जनता अथवा मित्रों की आँखों से गिर जाएँगे और जो स्थान है उस पर मैं अनायास ही बैठा दिया जाऊँगा। मगर ऐसा न आज तक हुआ है और न होगा। दूसरों को गिराने की कोशिश तो अपने को बढ़ाने की कोशिश नहीं कही जा सकती। एक बात और है कि संसार में कोई भी मनुष्य निन्दा से नहीं गिरता। उसके पतन का कारण सद्गुणों का ह्रास होता है। इसी प्रकार कोई भी मनुष्य दूसरों की निन्दा करने से अपनी उन्नति नहीं कर सकता। उन्नति तो उसकी तभी होगी जब वह अपने चरित्र को निर्मल बनाए तथा गुणों का विकास करे।

अथवा

16. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–
ईर्ष्या का काम जलाना है मगर सबसे पहले वह उसी को जलाती है, जिसके हृदय में उसका जन्म होता है। आप भी ऐसे बहुत से लोगों को जानते होंगे जो ईर्ष्या और द्वेष की साकार मूर्ति हैं और जो बराबर इस फिक्र में लगे रहते हैं कि कहाँ सुनने वाला मिले और अपने दिल का गुबार निकालने का मौका मिले। श्रोता मिलते ही उनका ग्रामोफोन बजने लगता है और वे बड़ी ही होशियारी के साथ एक–एक काण्ड इस ढंग से सुनाते हैं मानों विश्व कल्याण को छोड़कर उनका और कोई ध्येय नहीं हो। अगर जरा अपने इतिहास को देखिए और समझने की कोशिश कीजिए कि जब से उन्होंने इस सुकर्म का आरम्भ किया है, तब से वे अपने क्षेत्र में आगे बढ़े हैं या पीछे हटे हैं। यह भी कि वे निन्दा करने में संयम और शक्ति का अपव्यय नहीं करते तो आज उनका स्थान कहाँ होता।

17. रानी लक्ष्मीबाई के युद्ध–कौशल का वर्णन कीजिए। 6

अथवा

17. तेरा स्मारक तू ही होगी, तू खुद अमिट निशानी थी। कवयित्री ने झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के विषय में ऐसा क्यों

कहा है?

18. संत पीपा का चरित्र–चित्रण कीजिए। 6

अथवा

18. लोक संत पीपा ने निर्गुण काव्यधारा में किस प्रकार योगदान दिया है? लिखिए।

19. सावन के माह में कामदेव नायिका को परेशान कैसे कर रहा है? 2

20. दयानिधि से क्या तात्पर्य है? 2

21. माँ ने बेटी को क्या–क्या सीख दी? 2

22. **यह सारा दुराचार स्त्रियों के पढ़ाने का ही कुफल है।** पंक्ति में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए। 2

23. **तुम्हारी निन्दा वही करेगा जिसकी तुमने भलाई की है।** कथन को स्पष्ट करें। 2

24. एक अच्छे नागरिक होने के नाते सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की आप किस प्रकार सहायता करेंगे? 2

25. खेतों की मिट्टी पथराई हुई क्यों है? 1

26. **उषा की लाली** कविता में हिमगिरि कैसा दिखाई दे रहा था? 1

27. दादू ने अपनी रोजी–रोटी के बारे में क्या कहा है? 1

28. अत्रि ऋषि की पत्नी ने किस विषय पर व्याख्यान दिया था? 1

29. **कल और आज** कविता के द्वारा क्या सन्देश दिया गया है? स्पष्ट लिखिए। 4

30. मोहन राकेश के साहित्यिक व्यक्तित्व का परिचय दीजिए। 4

****

सत्र 2020–21 से नये पाठ्यक्रमानुसार सभी कक्षाओं के सभी विषयों की टेक्स्ट बुक एवं सभी प्रकार की सहायक अध्ययन सामग्री विद्यार्थियों को मोबाइल पर व्हाट्सएप द्वारा एवं वेबसाइट www.rbse.online पर उपलब्ध करवायी जाएगी। इसके लिये विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके लिये विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार का कोई OTP Verification या Email द्वारा Verification नहीं देना होगा। हमारा व्हाट्सएप नम्बर जानने या अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी के लिये वेबसाइट www.rbse.online पर विजिट करें।